**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3320 का उत्तर**

**डीजल रेल-इंजनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाना**

**3320. श्री मोहम्मद अली खानः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने डीजल रेल इंजनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन रेल इंजनों को प्रतिस्थापित करने के लिए विद्युत आवश्यकता का आकलन किया गया है; और

(घ) वर्तमान में रेलवे के लिए विद्युत की मांग क्या है और यदि डीजल रेल इंजनों को पूर्णतया प्रतिस्थापित कर दिया जाता है, तो भविष्य में कितनी विद्युत की आवश्यकता होगी?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) और (ख) : जी हां। चरणबद्ध तरीके से डीजल इंजनों के मौजूदा बेड़े को बिजली इंजनों में परिवर्तित करने की योजना बनाई जा रही है। 100 एचएचपी और 100 एएलसीओ इंजनों के रूपांतरण संबंधी कार्य को पिंक बुक 2018-19 के तहत स्वीकृत किया गया है।

(ग): जी हाँ।

(घ): (अप्रैल-दिसंबर, 2017) अवधि के लिए कर्षण के प्रयोजनों के लिए बिजली की मौजूदा मांग 12431.37 मिलियन यूनिट है। बिजली की यह मांग 5631 अदद बिजली इंजनों के बेड़े के लिए है, जिसमें 2018-19 से 2021-22 की अवधि के दौरान, अतिरिक्त 2778 बिजली इंजनों के जुड़ने के कारण वृद्धि होने की संभावना है, जब सभी डीजल इंजन पूरी तरह से बिजली इंजनों द्वारा प्रतिस्थापित कर दिए जाएंगे। बिजली की मांग अनुपात बढ़कर 18564.27 मिलियन यूनिट तक होने की उम्मीद है।

\*\*\*\*\*